बन में डोले राम लखन दोनों भाई रे सीता नजर नही आई रे

बन में डोले राम लखन दोनों भाई रे,
जाने सीता नजर नही आई रे,
सीता नजर नहीं आई रे,
वाने जानकी नजर नहीं आई रे,
बन में डोले राम लखन दोनी भाई रे,
जाने सीता नजर नही आई रे।bd।

आधी आधी रात बनी में डोले,
दुखी राम लक्ष्मन से बोले,
बीरा देख रे कुटिया के माई रे,
वाने जानकी नजर नहीं आई रे,
बन में डोले राम लखन दोनी भाई रे,
जाने सीता नजर नही आई रे।bd।

उडता पंछी कोई तो बता दे,
सीता को संदेश सुनादयो,
हेला देव छू राम रघुराई रे,
वाने जानकी नजर नहीं आई रे,
बन में डोले राम लखन दोनी भाई रे,
जाने सीता नजर नही आई रे।bd।

घायल एक जटायु मिल ग्यो,
बोल्यो सीता न रावण लेग्यो,
कोई लंक पुरी क माही र,
वाने जानकी नजर नहीं आई रे,
बन में डोले राम लखन दोनी भाई रे,
जाने सीता नजर नही आई रे।bd।

रामचन्द्रजी के धीरज आग्यो,
कह हनुमान सहाय रघुराई,
थॉकी छोटी सी महिमा गाई रे,
वाने जानकी नजर नहीं आई रे,
बन में डोले राम लखन दोनी भाई रे,
जाने सीता नज़र नही आई रे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बन में डोले राम लखन दोनों भाई रे,
जाने सीता नजर नही आई रे,
सीता नजर नहीं आई रे,
वाने जानकी नजर नहीं आई रे,
बन में डोले राम लखन दोनी भाई रे,
जाने सीता नजर नही आई रे।bd।

गायक – मुकेश कुमावत।
प्रेषक – धरम चन्द नामा।
(नामा म्युजिक) सांगानेर
9887223297

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com